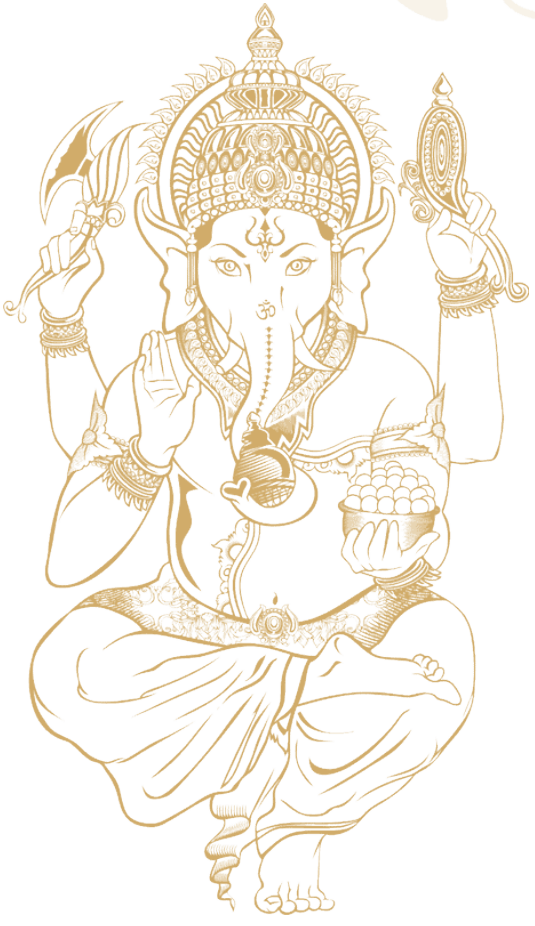

Mr.anshik kumar

15 Jun 2010

12:30 PM

Bhagalpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121842103

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/06/2010**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**12:30:00 घंटे**
इष्ट	19:05:46 घटी
स्थान	**Bhagalpur**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:14:00 उत्तर
रेखांश	86:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:17:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:47:56 घंटे
वेलान्तर	-00:00:25 घंटे
साम्पातिक काल	06:21:46 घंटे
सूर्योदय	04:51:41 घंटे
सूर्यास्त	18:33:19 घंटे
दिनमान	13:41:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	00:05:09 मिथुन
लग्न के अंश	10:55:07 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	ध्रुव
करण	वणिज
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हे-हेमन्त
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	10:55:07	326:28:12	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	---
सूर्य			मिथु	00:05:09	00:57:20	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	सम राशि
चंद्र			कर्क	07:51:47	14:29:08	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	केतु	स्वराशि
मंगल			सिंह	10:14:52	00:32:17	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
बुध			वृष	15:02:09	01:53:45	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
गुरु			मीन	07:07:18	00:06:50	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	स्वराशि
शुक्र			कर्क	07:04:22	01:10:08	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	बुध	शत्रु राशि
शनि			कन्या	04:01:46	00:01:34	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मित्र राशि
राहु			धनु	17:57:48	00:00:52	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	नीच राशि
केतु			मिथु	17:57:48	00:00:52	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	नीच राशि
हर्ष			मीन	06:24:59	00:00:59	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
नेप	व		कुंभ	04:38:17	00:00:28	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
प्लूटो	व		धनु	10:22:12	00:01:30	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
दशम भाव			मिथु	10:59:24	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:00:28

लग्न-चलित

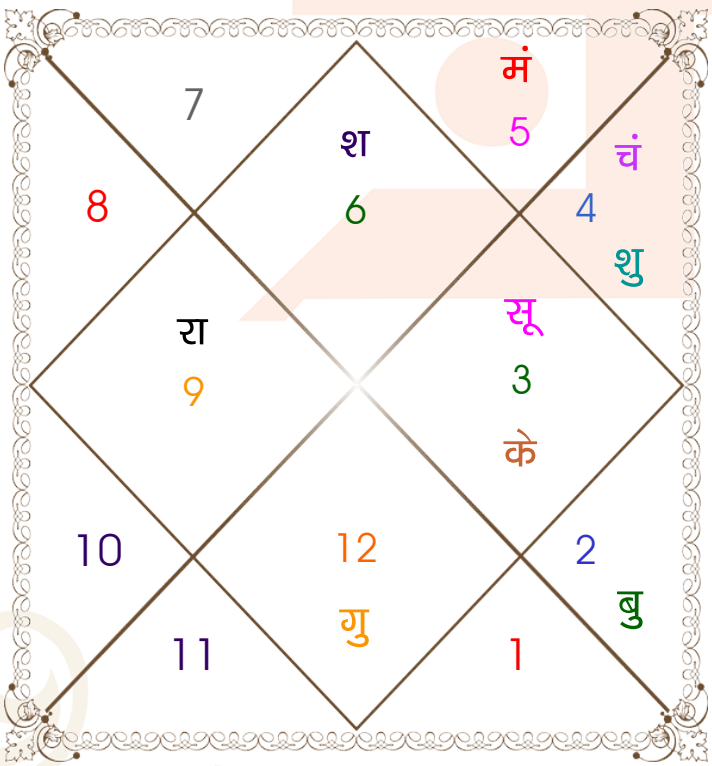

चन्द्र कुंडली

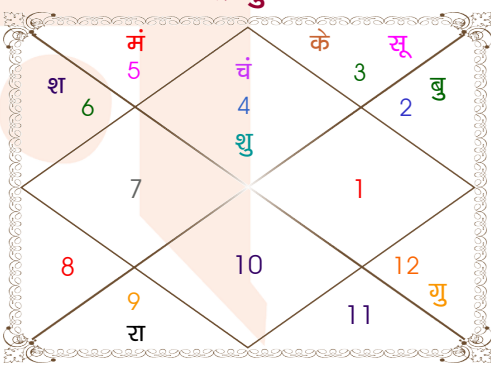

नवमांश कुंडली

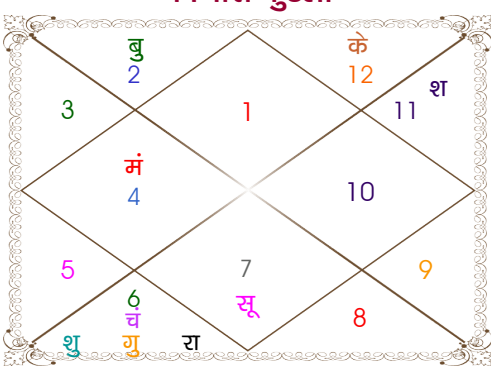

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 12 वर्ष 6 मास 16 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
15/06/2010		31/12/2022		31/12/2039		31/12/2046		31/12/2066	
31/12/2022		31/12/2039		31/12/2046		31/12/2066		31/12/2072	
	00/00/0000	बुध	29/05/2025	केतु	29/05/2040	शुक्र	02/05/2050	सूर्य	20/04/2067
	15/06/2010	केतु	26/05/2026	शुक्र	29/07/2041	सूर्य	02/05/2051	चंद्र	19/10/2067
केतु	22/10/2010	शुक्र	26/03/2029	सूर्य	04/12/2041	चंद्र	31/12/2052	मंगल	24/02/2068
शुक्र	22/12/2013	सूर्य	30/01/2030	चंद्र	05/07/2042	मंगल	02/03/2054	राहु	18/01/2069
सूर्य	04/12/2014	चंद्र	02/07/2031	मंगल	01/12/2042	राहु	02/03/2057	गुरु	06/11/2069
चंद्र	04/07/2016	मंगल	28/06/2032	राहु	19/12/2043	गुरु	01/11/2059	शनि	19/10/2070
मंगल	13/08/2017	राहु	15/01/2035	गुरु	24/11/2044	शनि	31/12/2062	बुध	26/08/2071
राहु	19/06/2020	गुरु	22/04/2037	शनि	03/01/2046	बुध	31/10/2065	केतु	31/12/2071
गुरु	31/12/2022	शनि	31/12/2039	बुध	31/12/2046	केतु	31/12/2066	शुक्र	31/12/2072

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
31/12/2072		31/12/2082		31/12/2089		01/01/2108		01/01/2124	
31/12/2082		31/12/2089		01/01/2108		01/01/2124		00/00/0000	
चंद्र	31/10/2073	मंगल	29/05/2083	राहु	12/09/2092	गुरु	19/02/2110	शनि	04/01/2127
मंगल	01/06/2074	राहु	16/06/2084	गुरु	06/02/2095	शनि	01/09/2112	बुध	13/09/2129
राहु	01/12/2075	गुरु	23/05/2085	शनि	13/12/2097	बुध	08/12/2114	केतु	16/06/2130
गुरु	01/04/2077	शनि	02/07/2086	बुध	02/07/2100	केतु	14/11/2115		00/00/0000
शनि	31/10/2078	बुध	29/06/2087	केतु	21/07/2101	शुक्र	15/07/2118		00/00/0000
बुध	01/04/2080	केतु	25/11/2087	शुक्र	20/07/2104	सूर्य	03/05/2119		00/00/0000
केतु	31/10/2080	शुक्र	24/01/2089	सूर्य	14/06/2105	चंद्र	01/09/2120		00/00/0000
शुक्र	02/07/2082	सूर्य	01/06/2089	चंद्र	14/12/2106	मंगल	08/08/2121		00/00/0000
सूर्य	31/12/2082	चंद्र	31/12/2089	मंगल	01/01/2108	राहु	01/01/2124		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 12 वर्ष 6 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगें। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक वार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगे। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निशचित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएंगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रूग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम

रोग से आक्रान्त तो नहीं होगें। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।